पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

महिला दिवस पर राज्यपाल ने सम्मानित किया

बेटी पढ़ेगी तो देश आगे बढ़ेगा - राज्यपाल

लखनऊः 8 मार्च, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज संगीत नाटक अकादमी में आयोजित महिला दिवस के कार्यक्रम में डाॅ0 मधु भदौरिया नेत्र विशेषज्ञ, श्रीमती सुनीता ऐरन सम्पादक हिन्दुस्तान टाईम्स, श्रीमती दीपाली तिवारी वर्ल्ड बैंक में कार्यरत, सुश्री समता कुमारी रेल चालक, सुश्री फरज़ाना चित्रकार को अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए शाल, स्मृति चिन्ह व पुष्प गुच्छ देकर 'वीरांगना सम्मान' से सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष सुश्री जरीना उस्मानी, लखनऊ के महापौर, डाॅ0 दिनेश शर्मा, कार्यक्रम की संयोजिका एवं उत्तर प्रदेश बाल विकास परिषद की अध्यक्ष श्रीमती रीता सिंह सहित अन्य स्वयं सेवी संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थें।

मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल ने महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि समाज महिलाओं की क्षमता को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने का काम करें। संकल्प के साथ लड़कियों को लड़कों के बराबर शिक्षा दें। बेटी पढ़ेगी तो देश आगे बढ़ेगा। महिलाओं को उचित संरक्षण की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सुविधापूर्ण वातावरण एवं सुरक्षा देने की जिम्मेदारी समाज और सरकारों की है।

श्री नाईक ने कहा कि यह सच्चाई है कि मुक्त एवं सुरक्षित वातावरण में स्पर्धा होती है तो बेटिया आगे बढ़ती हैं। ईमानदारी, पारदर्शिता, मेहनत एवं लगन महिलाओं के डी0एन0ए0 में है। महिलाएं अपना काम ज्यादा सजगता से करती हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

राज्यपाल ने कहा कि वे 25 विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं। अब तक राज्य विश्वविद्यालयों में सम्पन्न हुए दीक्षान्त समारोह में 6,35,930 विद्यार्थियों को उपाधियाँ वितरित की गई जिनमें 40 प्रतिशत छात्राएं थी। उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु कुल वितरित 1,196 पदकों में से 806 पदक छात्राओं के पक्ष में गये, जिनमें चांसलर पदक पाने वाली छात्राओं का प्रतिशत 62, स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं का प्रतिशत 63, रजत पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं का प्रतिशत 66, कांस्य पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं का प्रतिशत 73 एवं अन्य पदक प्राप्त करने में छात्राओं का प्रतिशत 76 है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से यह शुभ संदेश है।

अध्यक्ष राज्य महिला आयोग सुश्री जरीना उस्मानी ने कहा कि देश के संविधान में महिलाओं को बराबरी और समानता का अधिकार मिला है। ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। महिला हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। आधी आबादी को समान अवसर और शिक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बेटी और बेटे में दोहरा मापदण्ड रखने से बदलाव नहीं आ सकता।

महापौर लखनऊ डाॅ0 दिनेश शर्मा ने कहा कि संस्कार में कमी के कारण समाज में महिलाओं के प्रति विकृति आयी है। घर में अगर संस्कार न मिलें तो नस्लें बिगड़ जाती हैं। भारत की मूल भावनाओं पर विचार करें तो पता चलता है कि हमारी संस्कृति में महिलाओं का सदैव आधिपत्य रहा है। महिलाओं के प्रति मानसिकता बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज में उत्पन्न विकृतियों को दूर करने के लिए समाज की मानसिकता बदलने की जरूरत है।

इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती रीता सिंह ने स्वागत उद्बोधन देते हुए अपने विचार रखें।

अंजुम/ललित/राजभवन(90/12)

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
के अवसर पर

अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस
के अवसर पर
"महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति घटित हिंसक अपराधों के विरूद्ध जागरूकता"
विषयक संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन
दिनांक 08 मार्च 2016, दिन-मंगलवार, समय 3.00 बजे
स्थानः सन्त गाडगे जी प्रेक्षागृह, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी